रॉबिन शर्मा

कौन रोएगा आपकी मृत्यु पर?

Who Will Cry When You Die?

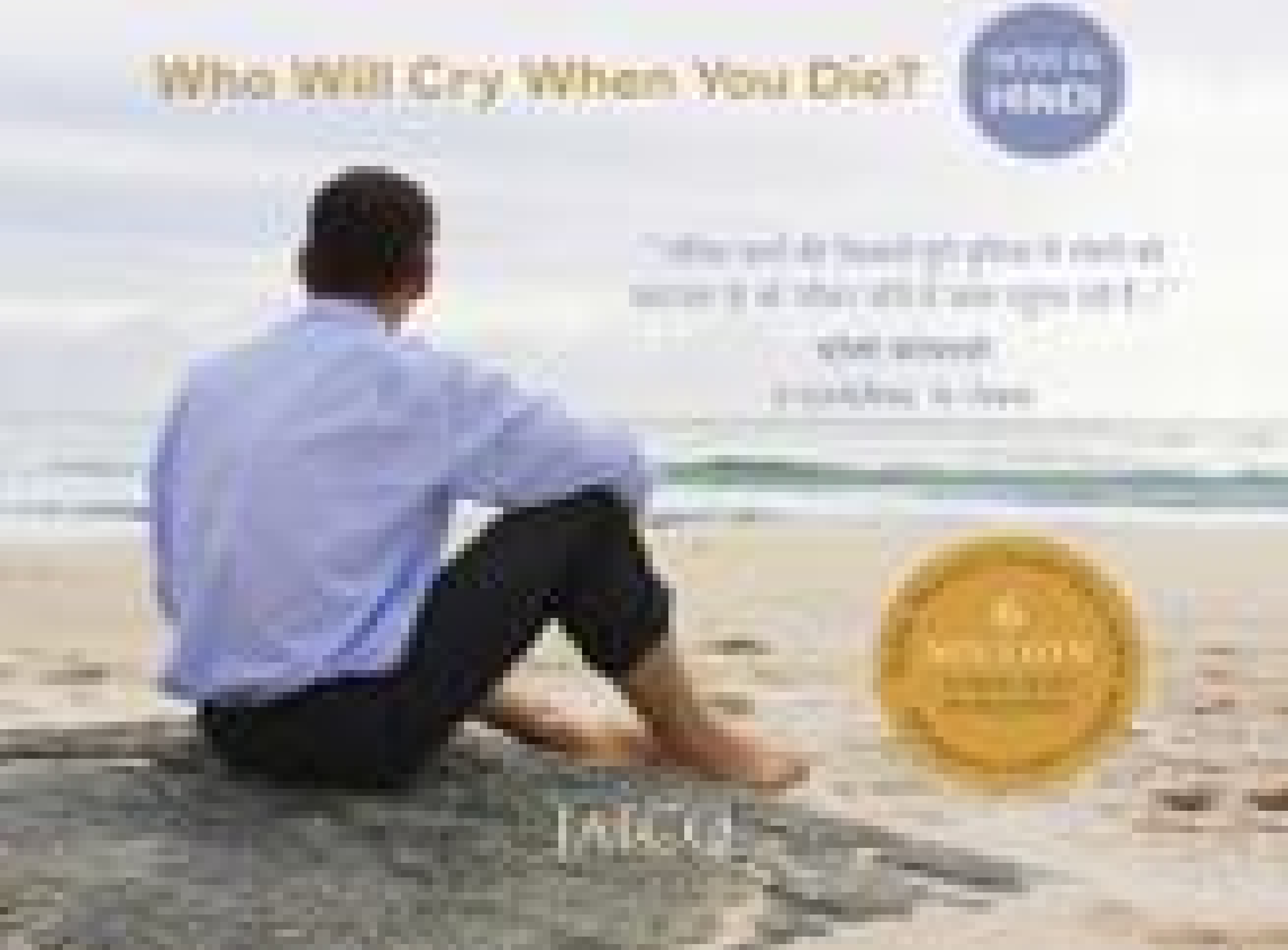

कौन रोएगा आपकी मृत्यु पर?

‘दि मंक हू सोल्ड हिज़ फ़रारी’ से जीवन के उपदेश

Who Will Cry When You Die?

NOW IN HINDI

रॉबिन शर्मा

जयको पब्लिशिंग हाउस
अहमदाबाद बेंगलोर भोपाल भुबनेस्वर चेन्नई
दिल्ली हैदराबाद कोलकाता लखनऊ मुम्बई

प्रकाशक
जयको पब्लिशिंग हाउस
ए-2 जश चेंबर्स, 7-ए, सर फ़िरोज़शाह मेहता रोड
फोर्ट, मुम्बई- 400 001
jaicopub@jaicobooks.com
www.jaicobooks.com

हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स लिमिटेड,
टोरंटो, कनाडा के सहयोग से

© रॉबिन शर्मा

WHO WILL CRY WHEN YOU DIE?
कौन रोएगा आपकी मृत्यु पर?
ISBN 978-81-8495-114-1

अनुवादक: डॉ. वीना श्रीवास्तव

पहला जयको संस्करण: 2010
इक्कीसवां जयको संस्करण: 2016

बिना प्रकाशक की लिखित अनुमति के इस पुस्तक का कोई भी भाग, किसी भी प्रकार से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, न कॉपी कराई जा सकती है, न रिकार्डिंग और न ही कम्प्यूटर या किसी अन्य माध्यम से स्टोर किया जा सकता है।

प्रशंसा के कुछ शब्द

‘दि मंक हू सोल्ड हिज़ फ़रारी’ के लिए

“दिल पर छा जाने वाली एक कहानी जो सीख के साथ खुशी देती है।” पाउलो कोयलो ‘दि एलकेमिस्ट’ के लेखक।

“सनसनीदार से कम नहीं। यह किताब आपके जीवन में वरदान साबित होगी।” मार्क विक्टर हैनसन, सह लेखक, चिकन सूप फॉर द सोल।

“रॉबिन शर्मा ने एक ऐसी आकर्षक कहानी रची है जो प्राचीन तरीकों को सरल जीवन दर्शन में रुपान्तरित करती है। एक हर्षवर्धक पुस्तक जो आपका जीवन बदल देगी।” इलेन सेंट जेम्स, सिम्पलिफाई यूअर लाइफ और इनर सिम्पलिसिटी के लेखक।

‘यह मनोरंजक, मन को हरने वाली काल्पनिक शक्ति का अपने व्यक्तिगत विकास, व्यक्तिगत प्रभावशीलता और व्यक्तिगत प्रसन्नता के क्षेत्र में प्रयोग है। इसमें ज्ञान की दौलत है जो हर इन्सान के जीवन को बेहतर और प्रगतिशील बना सकती है।” ब्रायन ट्रेसी, मैक्सिमम एचीवमेंट की लेखिका।

“रॉबिन शर्मा के पास हम सबके लिए एक महत्त्वपूर्ण सन्देश है। वह जो हमारे जीवन को बदल सकता है। उन्होंने अपने तरह की एक अलग किताब लिखी है जो इस भागदौड़ के युग में हमें व्यक्तिगत सन्तुष्टि देती है।” स्कॉट डी गारमो, पूर्व प्रकाशक, सक्सेस मैगज़ीन।

“जीवन के महत्त्वपूर्ण प्रश्नों पर प्रकाश डालती है।” दि एडमन्टन जनरल।

“दि मंक हू सोल्ड हिज़ फ़रारी” एक तालमेल वाली, लाभदायक और पढ़ने लायक पुस्तक है। यह वास्तव में पाठकों को जीवन की इस दौड़ का सामना करना सिखाती है।” दि किंगस्टन विग स्टैन्डर्ड।

“एक शानदार पुस्तक। रॉबिन शर्मा अगले ऑग मैनडीनो हैं।” डौटी वॉल्टर्स, स्पीक एन्ड ग्रो रिच के लेखक।

“साधारण विवेक जिससे हर व्यक्ति को लाभ मिल सकता है।” दि कैलगेरी हेराल्ड।

“इस पुस्तक को ‘दि वेल्दी बार्बर’ जो व्यक्तिगत विकास से सम्बंधित है की श्रेणी में रखा जा सकता है। इसके अर्न्तज्ञान से परिपूर्ण सन्देश जीवन में बेहतर सन्तुलन, संयम और प्रभावशीलता लाने में सहायक सिद्ध होगा।” इन्वेस्टमेन्ट एक्ज़ीक्यूटिव।

“एक सम्पत्ति – एक समृद्ध और शक्तिशाली तरीका जिससे वास्तविक सफलता और खुशी पाई जा सकती है। रॉबिन शर्मा ने युगों के ज्ञान को समन्वित करके उसे इस संघर्षपूर्ण काल के लायक बनाया है। यह मैं भी नहीं कर पाया था। जो टाई, नेवर फियर और नेवर क्विट के लेखक।

“अपने सामर्थ्य तक पहुँचने के सरल तरीके।” दि हैडीफैक्स डेली न्यूज़।

“एक अद्भुत कहानी जिसके पाठों से आप जीवन को समृद्धता से पूर्ण कर सकते हैं।” केन वेगोटस्की, लेखक, दि अल्टीमेट पावर।

“एक अत्यन्त उम्दा तरीके से बनाई गयी कहानी जो सरल तरीको से आश्चर्यजनक रूप से किसी के भी जीवन में सुधार ला सकती है। मैं इस बहुमूल्य पुस्तक को पढ़ने की सलाह अपने सब मुव्वकिलों को दे रहा हूँ।” जॉर्ज विलियम्स, प्रेसिडेंट, कैरेट कन्सलटिंग इन्टरनेशनल।

“रॉबिन शर्मा आध्यात्म की उँची राह के साथ-साथ व्यक्तिगत सन्तुष्टि भी प्रदान करते हैं।” दि ओटावा सिटिज़न।

“रॉबिन पूर्व और वर्तमान के ज्ञान को पाठक की पसन्द के हिसाब से सन्निहित करते हैं। अपने आप करने वाली पुस्तिका सर्वोच्च कोटि की व्यक्तिगत उपलब्धि का एक-एक कदम निर्धारित करती है। सफलता के रहस्य में शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक सन्तुलन भी शामिल है। रॉबिन का सन्देश इतना शक्तिशाली है कि यह एक तेज प्रकाशवान किरण की तरह है। उनके शब्द जादुई हैं।” -दि हिन्दू।

“रॉबिन शर्मा के श्रेष्ठ सम्प्रेषण चातुर्य ने उन्हें दुनिया के सफलतम अग्रणिय विचारकों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है जिनकी विचारधारा व्यवसाय में नेतृत्व और जीवन से संबंधित है।” दि टाइम्स ऑफ इंडिया।

“हर कोई नेता है ... कार्यक्षेत्र में नेतृत्व के नये आयाम आपको बेहतर सम्मान और कार्य करने का एक सकारात्मक अनुभव देंगे। रॉबिन जीवन के हर महत्त्वपूर्ण क्षेत्र में सन्तुलन हासिल करने में विश्वास रखते हैं। उनकी किताबें मशहूर खिलाड़ियों और नामी हॉलिवुड सितारों ने पसन्द की है।” दि इकोनोमिक टाइम्स।

“उनकी शिक्षण शालाएँ मैनेजिंग डायरेक्ट्रस, फिल्मी सितारों से लेकर डायरेक्ट्रस और अधिकारियों तक को लुभाते हैं। दीपक चोपड़ा एक आध्यत्मिक लेखक हैं जबकि रॉबिन ज़्यादा व्यवहारिक रूप से जीवन दर्शन को सरलता प्रदान करते हैं।” दि इन्डियन एक्सप्रेस।

‘रॉबिन शर्मा आज एक अर्न्तराष्ट्रीय सर्वाधिक बिकने वाले लेखक हैं। वह शक्ति जिसका भरोसा किया जा सकता है।” सिटी इन्डियन एक्सप्रेस।

“एक हँसमुख व्यक्तित्व, मुस्कुराता चेहरा और व्यक्तिगत संबंध स्थापित करने की प्राकृतिक काबलियत के साथ रॉबिन के लिए प्रशिक्षण गुरु बनना मुश्किल नहीं था। वह उपाधि जिसे मानने से वे इन्कार करते हैं। दि फ्री प्रेस जरनल।

“पुस्तक सादगी से भरी हुई परन्तु प्रेरणा से परिपूर्ण एक सफल वकील की कहानी है जो जीवन की बेहतर सन्तुष्टि के लिए सबकुछ छोड़ देता है। एक महान उद्देश्य की भावना, प्रसन्नता और सन्तोष की अभिलाषा इसमें प्रचुरता में नज़र आती है।” डी एन ए।

“रॉबिन अपनी अन्य पुस्तकों की तरह इसमें भी सकारात्मक उर्जा की किरणें फैलाकर व्यवसाय और आत्म सहयोग दोनों दिशाओं में अपनी पसन्द दर्शाते हैं। रॉबिन का वास्तव में विश्वास है कि उनके अनुभवों ने बहुत से लोगों की मदद की है विशेषकर जब वे संगठनों के सत्र लेते हैं।” दि एशियन एज़।

“रॉबिन से मिलने के बाद हर इन्सान इस भावना के साथ वापस आता है कि वह आदमी सच्चा है।” डेकन हेराल्ड।

“मशहूर आत्म सहायता के गुरु रॉबिन शर्मा को पढ़ने वालों की सूचि में पूर्व इज़रायली प्रधानमंत्री और नोबल प्राइज़ विजेता सिमौन पियर्स मिशैल योह और रिकी मार्टिन जैसे लोग शामिल हैं।” विजय टाइम्स।

“शर्मा पाठक को ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं।” दि क्रोनिकल हेराल्ड।

“वे एक फलदायक नाम हैं परन्तु प्रेरणादायक वक्ता के क्षेत्र में वे गुरु कहलाना पसन्द नहीं करते हैं। वह जायज़ भी है क्योंकि एक संगठनों के प्रशिक्षक के नाते भारतीय नेताओं के द्वारा वे अपनी कल्पना और लियाकत के लिए पहली पसन्द हैं जो एक विश्व स्तर के संगठन को सही ढर्रे पर ला सकता है।” दि न्यू इन्डियन एक्सप्रेस।

प्रशंसा के कुछ शब्द
'लीडरशिप विज़डम फ्रॉम दि मंक हू सोल्ड हिज़ फ़रारी'

"साल की सर्वश्रेष्ठ व्यवसायिक पुस्तकों में से एक" प्रॉफिट मैगज़ीन।

"अत्यन्त सूचनावर्धक, पढ़ने में आसान और अत्यन्त सहायतापूर्ण... हमने इसकी प्रतियाँ अपनी मैनेजमेंट टीम और स्टोर ऑपरेट्र्स में बाँटी हैं। परिणाम अत्यंत सकारात्मक रहे।" डेविड ब्लूम, सी.ई.ओ, शॉपर्स ड्रग मार्ट।

"रॉबिन शर्मा के पास स्वच्छ और वास्तविक तरीके हैं जिनके ज़रिए वे आज के युग के संघर्षपूर्ण नेतृत्व विवादों का अत्यंत पुष्ट समाधान दर्शाते हैं। यह इतना ताज़गी से भरा हुआ है जबकि व्यवसायिक अधिकारी इतनी निरर्थक बातों को सुन रहे हैं।" ईआन टर्नर, मैनेजर, सिलेस्टिका लर्निंग सेंटर।

"यह पुस्तक बुद्धिमत्ता और साधारण ज्ञान के रूप में सोने की खदान के समान है।" डीन लैरी टैप, रिचर्ड आइवी स्कूल ऑफ बिज़नेस, यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑनटेरियो।

"एक बेहतरीन किताब जो किसी भी व्यवसायिक व्यक्ति को आगे बढ़ने और जीवन को और प्रभावशाली तरीके से जीने में मदद करेगी।" जिम ओ नील, डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशन्स्, डिस्ट्रिक्ट सेल्स डिविज़न, लन्डन लाइफ।

"मंक व्यवसाय में संतुलन की राह दिखाता है ... किताब असरदार है।" दि टोरोन्टो स्टार।

"लीडरशिप विज़डम फ्रॉम दि मंक हू सोल्ड हिज़ फ़रारी" सर्वश्रेष्ठ किताबों की सूचि में उच्च स्थान ग्रहण करेगी।" इन्वेस्टमेंट एक्ज़ीक्यूटिव।

"शर्मा का उद्देश्य पाठक को अर्न्तदृष्टि प्रदान करके एक कल्पनाशील नेता बनाना है और उनकी मदद करके उनके संगठन को इस परिवर्तन के युग में बदलाव लाकर विकसित करना है।" सेल्स प्रमोशन मैगज़ीन।

"शर्मा ने पूर्व और पश्चिम के महान दार्शनिकों के ज्ञान का समन्वय करके उसका व्यवसाय की दुनिया में प्रयोग किया है।" दि लिबरल।

"शर्मा पूर्व गुरुओं की शिक्षा पर प्रकाश डालकर रास्ता दिखाते हैं कि किस तरह हम इस परिवर्तनशील, मशीनी युग की चिन्ताओं का सामना कर सकें।" द रेड डियर एडवोकेट।

मैं यह पुस्तक अपने पाठकों को समर्पित करता हूँ। काश आप इसमें खोजे हुए जीवन के इन पाठों को अपने आस-पास के लोगों के जीवन में सुधार लाने के प्रयत्न में अपनी सम्पूर्ण प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

यह किताब मेरे बच्चों कोल्बी और बियान्का को भी समर्पित है जोकि मेरे जीवन के दो महानतम शिक्षक साबित हुए हैं। मैं इनसे अत्यन्त प्रेम करता हूँ।

जीवन की त्रासदी मृत्यु में नहीं बल्कि जीते जी अपने अर्न्तमन को मार देने में है।

-नॉर्मन कज़िन्स

विषय-सूचि

प्रस्तावना

1. अपना लक्ष्य खोजिए
2. प्रतिदिन किसी एक अजनबी पर उपकार कीजिए
3. अपना दृष्टिकोंण बनाये रखिये
4. दृढ़ प्रेम का अभ्यास करिए
5. दैनिक पत्रिका बनाएं
6. ईमानदारी के मन्त्र का विकास करिए
7. अपने अतीत का आदर करिए
8. अपने दिन की अच्छी शुरुआत करिए
9. शिष्टता के साथ न बोलना सीखिए
10. साप्ताहिक विश्राम लीजिए
11. खुद से वार्तालाप करिए
12. चिन्ता करने का समय निर्धारित करिए
13. बच्चों को आदर्श बनाइए
14. याद रखिए, प्रतिभा 99 प्रतिशत प्रेरणा होती है
15. मन्दिर की हिफ़ाजत करिए
16. शान्त रहना सीखिए
17. अपने आदर्श पड़ोस के बारे में सोचिए
18. सुबह जल्दी उठें
19. अपनी परेशानियों को आशीर्वाद समझिए
20. बहुतायत में हँसिए
21. एक दिन बिना घड़ी के बिताइए
22. ज्यादा जोखिम लीजिए
23. जीवन जिओ
24. चलचित्र से सीखिए
25. अपने धन को आर्शीवाद दीजिए
26. योग्यता पर ध्यान दीजिए
27. धन्यवाद की टिप्पणी लिखिए

28. हमेशा अपने साथ एक किताब रखिए
29. प्यार का बहीखाता बनाइए
30. लोंगों के आँखों की पुतली के पीछे जाइए
31. अपनी परेशानियों की सूची बनाइए
32. कार्य सम्पादन की आदत डालिए
33. अपने बच्चों को एक उपहार समझिए
34. रास्ते का आनन्द लीजिए न कि पुरस्कार का
35. याद रखिए कि परिवर्तन के पहले जागरुकता आती है
36. 'ट्यूज़डेज विद मौरी' पढ़िए
37. अपने समय के स्वामी बनिए
38. अपने को शान्त रखिए
39. निदेशकों की परिषद की भर्ती कीजिए
40. अपने अस्थिर दिमाग का इलाज करिए
41. प्रश्न पूछने में न हिचकें
42. अपने पेशे में उच्च अर्थ ढूंढ़िए
43. अपने पुस्तकालय में महापुरुषों की पुस्तकें रखिए
44. अपनी प्रतिभा का विकास करिए
45. प्रकृति से सम्बन्ध जोड़िए
46. रास्ते के समय का उपयोग करिए
47. समाचार का व्रत रखिए
48. अपने उद्देश्य को गम्भीरता से लें
49. 21 का नियम याद रखिए
50. क्षमादान करें
51. ताजे फलों का रस पीजिए
52. परिष्कृत वातावरण का सृजन करिए
53. जंगल की ओर भ्रमण को जाएं
54. एक गुरु बनाएं
55. एक छोटा अवकाश लें
56. एक स्वयंसेवी बनिए
57. पृथकता के छः कदमों को चुनिए

58. प्रतिदिन संगीत सुनिए
59. धरोहर के रुप में वाक्य लिखिए
60. तीन महान मित्र बनाइए
61. 'दि आर्टिस्ट्स वे' पढ़िए
62. ध्यान लगाना सीखिए
63. जीवित रहते अन्तिम संस्कार कीजिए
64. शिकायत छोड़कर जीना शुरु करिए
65. अपना महत्व बढ़ाइये
66. एक अच्छे अभिभावक बनें
67. दकियानूसी न रहें
68. अपने लक्ष्य का पत्र रखिए
69. अपने संवेगों पर नियन्त्रण रखें
70. साधारण का स्वाद लीजिए
71. भर्त्सना करना बन्द करिए
72. अपने दिन में पूरी ज़िन्दगी देखिए
73. प्रभुत्व के रिश्ते का सृजन करें
74. अपने व्यवहार की दिनचर्या बनाइए
75. एक समृद्ध वास्तविकता की कल्पना करिए
76. अपने जीवन के सी.ई.ओ. बनिए
77. विनम्र बनिए
78. हर पुस्तक को पढ़कर समाप्त मत कीजिए
79. अपने साथ कठोरता का व्यवहार न करें
80. शान्त रहने की प्रतिज्ञा कीजिए
81. फोन पर घन्टी बजने पर हर बार फोन न उठाएं
82. याद रखिए मनोरंजन में सृजन का स्थान होना चाहिए
83. काबिल विरोधी चुनिए
84. कम सोइए
85. परिवार के खाने का समय रखिए
86. छद्मवेष धारण करिए
87. सार्वजनिक वार्तालाप का प्रशिक्षण लीजिए

88. छोटी बातों को मत सोचिए
89. उन बातों के लिए चिन्तित न हों जिन्हें आप बदल नहीं सकते
90. चलना सीखिए
91. अपने जीवन की कहानी दोबारा लिखिए
92. वृक्ष उगाइए
93. अपनी शांति के लिए जगह ढूंढ़िए
94. ज्यादा तस्वीरें लीजिए
95. साहसी बनें
96. तनाव से छुटकारा पा कर घर आइए
97. अपनी मूल प्रवृत्तियों का आदर करिए
98. प्रेरक उद्धरणों को एकत्रित करिए
99. अपने काम से प्रेम करिए
100. स्वार्थहीन सेवा करिए
101. परिपूर्ण जीवन जिएं जिससे आप प्रसन्नता के साथ मृत्यु प्राप्त करें

प्रस्तावना

मैं इस पुस्तक का चुनाव करने के लिए आपका सम्मान करता हूं। ऐसा करके आपने अपने जीवन को अधिक सावधानी, प्रसन्नता और सम्पूर्णता से जीने का निर्णय ले लिया है। आपने अपने जीवन को भाग्य के भरोसे या एक भूल की तरह जीने के बजाए अपनी पसन्द और कल्पनानुसार जीने का निश्चय कर लिया है। और इसके लिए मैं आपकी प्रशंसा करता हूं।

जब मैं 'दि मंक हू सोल्ड हिज फ़रारी' की श्रृंखला के पूर्व दो पुस्तकें लिख रहा था। मुझे पाठकों के अनगिनत पत्र मिले जिनके जीवन उस ज्ञान को पाकर बदल गये। उन पुरुष और स्त्रियों के व्यक्तव्यों ने मुझे प्रेरणा दी और मेरे हृदय को छू लिया। बहुत से पत्रों ने मुझे 'आर्ट ऑफ लिविंग' के पाठों का सार निकालने के लिए प्रेरित किया। और यही वजह है कि वे सब बातें जिनके बारें में मुझे विश्वास है कि वे आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं, मैं उन्हें इकट्ठा करने मे जुट गया।

आगे के पृष्ठों में जो भी लिखा है वे दिल से महसूस की गई चीजें है और इस आशा के साथ लिखी गई हैं कि आप न सिर्फ उस विवेक के साथ जुड़ेगे परन्तु उस पर अमल करके अपने जीवन में स्थायी सुधार भी लायेंगे। अपने खुद के अनुभवों से मैने सीखा कि सिर्फ यह जानना आवश्यक नहीं है कि हमें क्या करना है परन्तु उस ज्ञान का उपयोग हमें अपने जीवन में करना चाहिए तभी हम अपनी इच्छा के अनुसार जीवन बिता सकते हैं।

और जैसे ही आप 'दि मंक हू सोल्ड हिज फ़रारी' की श्रृंखला की इस तीसरी पुस्तक के पृष्ठ पलटेंगे मुझे आशा है कि आप ज्ञान के उस भन्डार को खोज लेंगे जो आपके जीवन के व्यवसायिक, व्यक्तिगत और आध्यात्मिक विलक्षणता की प्रचुरता को बढ़ाएगा। कृपया मुझे लिखें, ई-मेल भेजे या मेरी किसी कार्यशाला में मुझसे साक्षात्कार करके मुझे आप उन अनुभवों से अवगत कराएं जो आपने इस पुस्तक को पढ़कर संग्रहित किये हैं। मैं आपके पत्रों के व्यक्तिगत रुप से जवाब देने की पूरी कोशिश करुंगा। मैं आपको शुभकामना देता हूं कि आपको अनन्त शान्ति मिले, आप महान प्रगति हासिल करें और आप अपना अधिकतर समय किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य की प्राप्ति में बिताएं।

-रॉबिन एस. शर्मा

पाठकों के लिए टोल-फ्री माध्यम: 1-888 R-SHARMA
ई-मेल: wisdom@robinsharma.com
इन्टरनेट: www.robinsharma.com

अध्याय 1

अपना लक्ष्य खोजिए

जब मैं बड़ा हो रहा था तो मेरे पिता ने मुझसे कुछ ऐसा कहा जो मैं कभी नहीं भूल सकता, “बेटा तुम जब पैदा हुए तो तुम रोए जबकी पूरी दुनिया ने जश्न मनाया। अपना जीवन ऐसे जियो कि तुम्हारी मौत पर पूरी दुनिया रोए जबकि तुम जश्न मनाओ।” हम उस काल में जी रहे हैं जहाँ हम जीवन का अर्थ भूल गए हैं। हम बहुत आसानी से इन्सान को चन्द्रमा पर भेज रहे हैं पर हमारे लिए सड़क पार करके अपने पड़ोसी से मिलना मुश्किल हो रहा है। हम एक बारूदी मिसाइल को बिना किसी चूक के दुनिया के आर-पार दाग सकते हैं परन्तु अपने बच्चों को पुस्तकालय ले जाने का समय निकालने से चूक जाते हैं। हमारे पास ई-मेल, फैक्स मशीन और डिजिटल फोन जैसे साधन हैं जिनके द्वारा हम बहुत आसानी से जुड़े रह सकते हैं फिर भी हम उस वक्त में रह रहे हैं जिसमें हम आपस में सबसे कम जुड़े हुए हैं। हमने अपनी मानवता को खो दिया है। हम अपने जीवन का उद्देश्य भूल गए हैं। हमने जीवन की सबसे अहम बातों को विस्मृत कर दिया है।

और अब जब आप यह पुस्तक पढ़ने जा रहे, है मैं आदरपूर्वक आपसे पूछना चाहूंगा कि ऐसा कौन है जो आपकी मौत के बाद रोने वाला है। आप कितने जीवनों पर अपनी छाप डालेंगे जबकि आपको इस ग्रह पर चलने का मौका मिला है। आने वाली पीढ़ियों पर आपके जीवन का क्या असर होगा। और आपने अपने अन्तिम पड़ाव से पहले क्या धरोहर छोड़ी। एक सीख जो मैंने अपने जीवन से ली है वह यह है कि अगर हम अपने जीवन का नियन्त्रण अपने हाथ में नहीं लेते हैं तो जीवन हमें नियन्त्रित करने लगता है। दिन हफ्तों में बीत जाते हैं हफ्ते महीनों में और महीने सालों में। सब कुछ इतना जल्दी खत्म हो जाता है कि हम सिर्फ जीवन को पूर्णता के साथ न जी पाने का अफ़सोस करते रह जाते हैं। जार्ज बर्नाड शॉ की मृत्यु-शैय्या पर उनसे पूछा गया, “अगर आपको यह जीवन दोबारा जीने का मौका दिया जाए तो आप क्या करेंगे?” उन्होंने एक लम्बी सांस लेकर कहा, “मैं वह इन्सान बनना चाहूंगा जो मैं बन सकता था परन्तु नहीं बना।” आपके साथ भी ऐसा न हो इसलिए मैं यह किताब लिख रहा हूं।

एक व्यवसायिक वक्ता होने के नाते मैं अपने काम के सिलसिले में अपना अधिकतर समय उत्तर अमरीका के पार अपने भाषणों और सम्मेलनों में व्यतीत करता हूं। एक शहर से दूसरे शहर में व्यवसाय की दुनिया में नायकत्व के बारे में अपनी अर्न्तदृष्टि और विचारों को विभिन्न लोंगों में बांटता हूं। हांलाकि वे लोग जीवन के अलग-अलग रास्तों से आते हैं परन्तु